फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 56 प्रभात जयपुर, सोमवार 26 सितम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

We Love Our Food

As soldiers moved, so also their food, that is why, in Northern and Central Africa, vegetarian lentil soup is relished, which are true copies of Daal that we eat.

Measuring Blood Oxygen Level

J'ADORE: Cute Ponytail Hairstyles Super fancy and braided

यूनान के पुरातत्ववेत्ताओं ने युनैस्को से अपील की है कि इस्ताम्बुल (तुर्की) की 100 साल पुरानी धार्मिक सांस्कृतिक साइट "आया सोफीया" की सुरक्षा की जाए। यह तुर्की के सर्वाधिक लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है और वर्ष 1985 से ही युनैस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट के रुप में अधिसूचित है। तथापि, हालिया वर्षों में अराजकता व हिंसा की वजह से इस इमारत को भारी नुकसान हुआ है। गत दिनों एसोसिएशन ऑफ ग्रीक आर्किऑलजिस्ट्स ने युनैस्को से कहा कि, मौजूदा स्थिति को बदलने के लिए जबरन हस्तक्षेप किया जाना चाहिए। जुलाई 2020 में तुर्की के एक हाईकोर्ट ने "आया सोफिया" से म्यूज़ियम का दर्जा छीन कर इसे मस्जिद करार दिया था। पुरातत्ववेत्ताओं का दावा है कि, यहां के प्रबंधकों ने लोगों को यहां आने की खुली छूट दे दी है। उन्होंने पत्र में लिखा कि इम्पीरियल गेट पर लगा "ऑटमन वुडन डोर" क्षतिग्रस्त हो गया है, दीवार की पॉलिश खुरच दी गई है तथा फव्वारों और दरवाजों का इस्तेमाल शू स्टोरेज के लिए किया जाता है। मार्बल का फर्श भी क्षतिग्रस्त हो गया है। पत्र में उन घटनाओं का उल्लेख किया गया है, जो जुलाई 2020 के कोर्ट के फैसले के बाद घटी हैं। इस वर्ष गर्मी में भी "आया सोफिया" के फर्श पर, सफाई के भारी उपकरणों के कारण दरारें आ गईं। इससे पहले तुर्की के कला इतिहासकारों ने एक फोटो ट्वीट की थी, जिसमें 23 फीट ऊंचा इम्पीरियल गेट दिखाया गया था। तीन सौ साठ ईस्वी में, ईसाई धर्म अपनाने वाले प्रथम रोमन एम्परर, कॉन्स्टैन्टिन ने इस स्थान पर लकड़ी की एक विशाल संरचना बनवाई थी, जिसे "मेगालो एक्लेसिया" या ग्रेट चर्च कहते थे। लेकिन 404 में यह चर्च एक दुर्घटना में जलकर राख हो गया। फिर 416 ईस्वी में एम्परर थिओसियस द्वितीय के समय यहाँ पर एक स्थाई भवन बनवाया गया जो 532 के एक विद्रोही हमले में तहस-नहस हो गया। उसके बाद "आया सोफिया" का निर्माण 532 और 537 ईस्वी के बीच ईसाई कथीड्रल के रुप में हुआ। लगभग 900 साल तक यह विश्व का सबसे बड़ा कथीड्रल था। सन् 1453 में जब ऑटमन ने कॉन्स्टैन्टिनोपल पर कब्जा कर लिया तो "आया सोफीया" को मस्जिद बना दिया गया। बाद में 1935 में तुर्की के राष्ट्र प्रमुख मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने इसे म्यूज़ियम का दर्जा दिया। आया सोफिया से म्यूज़ियम का दर्जा छीनने की कोशिश 2005 में ही शुरु हो गई थी। इस सम्बंध में लगाई गई याचिकाओं को मंजूर कर तुर्की के हाईकोर्ट ने तुरंत इस इमारत को मस्जिद का दर्जा दे दिया, तथा इसे नमाज अदा करने के लिए खोल दिया गया। "आया सोफिया" जिसका अर्थ है, "दिव्य ज्ञान," का दर्जा बदलने पर युनैस्को ने भी खेद जताया था।

अशोक गहलोत की जादूगरी का अंतिम पत्ता भी फेल हुआ

सोनिया गांधी ने पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये कि, वे सभी विधायकों से वन-टू-वन बात करें और उसके पश्चात ही दिल्ली लौटें

- इस्तीफा पॉलिटिक्स के बीच कांग्रेस आलाकमान सख्त हुआ।
- कांग्रेस आलाकमान बिल्कुल भी खुश नहीं है, क्योंकि बिना विधायक दल की बैठक हुए ही विधायकों ने जिस तरह से कांग्रेस आलाकमान को आंख दिखाने का प्रयास किया है, वह बिल्कुल भी सही नहीं माना जा सकता।
- कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कह दिया है कि, राजस्थान को लेकर प्रस्ताव आज रात ही पारित होना है, इसके लिए विधायकों से वन-टू-वन बातचीत की जाये।
- चार विधायक शांति धारीवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी और संयम लोढ़ा ने कहा कि, उन्हें माकन व खड़गे के साथ हुई बैठक में निर्देश दिया गया है कि, 19 अक्टूबर को फिर विधायक दल की बैठक होगी जिसमें मुख्यमंत्री पद का फैसला लिया जायेगा।

जयपुर, 25 सितम्बर। राजस्थान में तेजी से बदलते घटनाक्रम तथा कांग्रेस विधायकों की इस्तीफे की पॉलिटिक्स हो रही है। दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के निवास से निकलकर शांति धारीवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी और संयम लोढ़ा मुख्यमंत्री निवास पहुंचे हैं। जहां मौजूद प्रभारी अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी मौजूद है।

इस बीच खबर यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कह दिया है कि राजस्थान को लेकर प्रस्ताव आज ही पारित होना है और इसके लिए विधायकों से वन टू वन बातचीत की जाए। ऐसे में अब मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन रात को ही विधायकों से चर्चा कर सकते हैं, ताकि सभी की राय सामने आ सके। इसके बाद में दोनों नेता कांग्रेस आलाकमान यानी कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को यह बात बताएंगे और फिर जो भी फैसला होगा,वह निकल कर सामने आएगा।

दूसरी ओर जिस तरह से घटनाक्रम राजस्थान में हुआ है उसे लेकर बताया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान बिल्कुल भी खुश नहीं है, क्योंकि बिना विधायक दल की बैठक हुए ही विधायकों ने जिस तरह से कांग्रेस आलाकमान को आंख दिखाने का प्रयास किया है, वह बिल्कुल भी सही नहीं माना जा सकता। राहुल गांधी भी इस मामले को लेकर भारत जोड़ो यात्रा में चलते हुए पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। यही कारण है कि एक बार जहां पर्यवेक्षक मलिकर्जुन खड़गे और प्रभारी अजय माकन को दिल्ली पहुंचने के लिए कहा गया था, वहीं अब उन्हें जयपुर में रहकर विधायकों के साथ बात करके उनकी राय जानने के लिए कहा है। इधर देखना यह भी है की इस पूरे घटनाक्रम के बाद क्या आलाकमान अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाएगा। वही क्या अब इस पूरे घटनाक्रम के बाद में राजस्थान विधायक दल के नेता का फैसला आसानी से हो पाएगा, या फिर कोई अलग ही नया समीकरण निकल कर सामने आएगा।

इस पूरा घटनाक्रम के बाद में अब सारी नजरें दिल्ली पर टिक गई है जहां कि कांग्रेस आलाकमान विधायकों की राय जानने के बाद में फैसला करेगा कि आखिरकार राजस्थान के मामले में होना क्या है।

चार विधायक शांति धारीवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी और संयम लोढ़ा ने कहा कि उन्हें माकन व खड़गे के साथ हुई बैठक में निर्देश दिया गया है कि, 19 अक्टूबर को फिर विधायक दल की बैठक होगी जिसमें मुख्यमंत्री पद का फैसला लिया जायेगा।

जबरन धर्म परिवर्तन

हुबली, 25 सितंबर (वार्ता)। कर्नाटक विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पारित होने के कुछ दिनों बाद राज्य के हुबली में एक दलित व्यक्ति के जबरिया धर्मांतरण का मामला सामने आया है और पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि मांड्या निवासी श्रीधर गंगाधर को कथित तौर पर जबरन इस्लाम धर्म में

- हुबली (कर्नाटक) में एक दलित व्यक्ति के जबरन इस्लाम में धर्मांतरण का मामला सामने आया है और पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

शामिल कर उसका खतना करने और बीफ खाने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन अभी इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओमप्रकाश चौटाला की रैली में थर्ड फ्रंट की झलक दिखी

नीतीश, शरद पवार, येचुरी, सुखबीर सिंह बादल सहित कई प्रमुख नेता फतेहाबाद में एक मंच पर नज़र आए

- रैली में एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा, किसानों ने एक साल तक दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया। किसानों से वादा किया गया था कि, मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) मुहैया कराई जायेगी, लेकिन दिया नहीं गया।
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, पिछले चुनावों के दौरान, वे (भाजपा) हमारे उम्मीदवारों को हराने की कोशिश कर रहे थे। केंद्र ने पिछड़े राज्य के लिए जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। बिहार में आज 7 पार्टियां एक साथ काम कर रही हैं।

फतेहाबाद, 25 सितम्बर। इंडियन नैशनल लोक दल (आई.एन.एल.डी.) की रविवार को फतेहाबाद एक बड़ी रैली आयोजित हुई। यह रैली लोकसभा चुनाव 2024 के मायने में अहम है। क्योंकि इसे गैर कांग्रेस थर्ड फ्रंट के नजरिये से देखा जा रहा है। इस पर एक ही मंच पर नेता लामबंद नजर आए। 11 राज्यों के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने हिस्सा लिया। इस रैली में शामिल होने के लिए एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार, जेडीयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आर.जे.डी. नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, (शिरोमणी अकाली दल (एस.ए.डी.) के सुखबीर सिंह बादल और सी.पी.एम. के सीताराम येचुरी, इण्डियन नैशनल कांग्रेस के ओ.पी. चौटाला एक ही मंच पर नजर आए। सभी नेताओं ने एक स्वर में वर्तमान भाजपा सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा, किसानों ने एक साल तक दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया। किसानों से वादा किया गया था कि मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) मुहैया कराया जाएगा लेकिन दिया नहीं गया। सरकार ने किसानों के खिलाफ दर्ज मामले वापस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भगत सिंह

नई दिल्ली, 25 सितंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की आज घोषणा की।

मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 93 वीं कड़ी में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारे पास 28 सितम्बर को सेलिब्रेट करने की एक और वजह भी है। उन्होंने कहा जानते हैं क्या है ! मैं सिर्फ दो शब्द कहूँगा लेकिन मुझे पता है, आपका जोश चार गुना ज्यादा बढ़

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की।

जाएगा। ये दो शब्द हैं- सर्जिकल स्ट्राइक। बढ़ गया ना जोश ! हमारे देश में अमृत महोत्सव का जो अभियान चल रहा है उन्हें हम पूरे मनोयोग से सेलिब्रेट करें, अपनी खुशियों को सबके साथ साझा करें।

मोदी ने कहा कि आज से तीन दिन बाद 28 सितम्बर को अमृत महोत्सव का एक विशेष दिन आ रहा है। इस दिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस आलाकमान को सीधे चुनौती, या तो हमारी बात सुनो या इस्तीफे मंजूर करो

अशोक गहलोत समर्थक विधायकों ने विधायक दल की बैठक का किया बहिष्कार, धारीवाल के घर बैठक करके इस्तीफा देने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष के घर

- क्या चुनौती देने वालों पर कार्यवाही होगी या फिर आलाकमान झुकेगा।
- यह घटनाक्रम क्या मध्यावधि चुनाव की ओर जा सकता है।
- कुछ विधायकों के इस्तीफे भी सामने आये हैं, लेकिन अभी यह पुष्टी नहीं हो पायी है कि, उनमें से कितने इस्तीफों पर हस्ताक्षर हैं अथवा नहीं।
- गहलोत और पायलट भी दिल्ली तलब किये गये।

जयपुर, 25 सितम्बर। राजस्थान से कांग्रेस आलाकमान को सीधी चुनौती मिल गई है और अशोक गहलोत समर्थक विधायकों ने आलाकमान के फैसले से पहले ही इस्तीफे की धमकी पर अमल शुरू करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी के निवास पर पहुंचना शुरू कर दिया है। अब देखना यह है कि कांग्रेस आलाकमान इस धमकी से कैसे नहीं निपटता है, क्योंकि यदि कांग्रेस आलाकमान विधायकों की इस धमकी के आगे झुक जाता है,तो फिर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इस बीच कांग्रेस विधायक दल की बैठक रद्द कर दी गई और प्रभारी अजय माकन तथा मल्लिकार्जुन खड़गे को वापस दिल्ली बुला लिया गया है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को भी दिल्ली बुलाया गया है।

अब देखना यह भी है कि इस बगावत या चुनौती को कांग्रेस आलाकमान किस रूप में देखता है। क्या इसके पीछे नेतृत्व करने वाले नेताओं पर आलाकमान कार्यवाही करता है या फिर झुकता है। यदि कांग्रेस आलाकमान कार्यवाही करता है,तो यह संदेश जाएगा कि पार्टी आलाकमान किसी भी तरह की चुनौती को स्वीकार नहीं करेगा। यदि इस कार्यवाही को देखते हुए आलाकमान झुकता है और इन विधायकों की धमकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 25 सितंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में रविवार को नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) के पास सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये।

पुलिस ने कहा, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने माछिल सेक्टर के टेकरी नार में नियंत्रण रेखा के पास दो

- कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के (ए.ओ.सी.) के पास सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये।

आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और संबद्धता का पता लगाया जा रहा है। मारे गए आतंकवादियों के पास से दो ए.के.-27 राइफल, दो पिस्तौल और चार हथगोले भी बरामद किए गए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस घटना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत ने कहा - अगला सी.एम. वो नेता हो जो सरकार रिपीट करा सके, मैं कई पदों पर रह चुका, अब नई पीढ़ी को चांस मिले

दूसरी ओर धारीवाल के निवास पर गहलोत समर्थक विधायकों की बैठक और धमकी - उनकी बात नहीं मानी तो सरकार गिर सकती है

- 50 से ज्यादा विधायक पहुंचे धारीवाल के निवास पर, अधिकांश ने आलाकमान के साथ होने की बात कही।
- दूसरी ओर गहलोत खेमा छोड़ चुके राजेंद्र गुढ़ा का बयान, धारीवाल के निवास पर 101 विधायक नहीं है, ऐसे में क्या सरकार अल्पमत में नहीं आ गई।
- मीडिया में कुछ विधायकों के इस्तीफे की चर्चायें चल रही हैं, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी की ओर से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है।

जयपुर, 26 (का.सं.)। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले इस्तीफे की तैयारी के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार की दोपहर जैसलमेर में कहा कि अगला सी.एम. वो नेता हो जो प्रदेश में सरकार रिपीट करा सके। गहलोत ने कहा कि सी.एम. के चयन के लिए विधायक दल की बैठक बुलाना और हाईकमान पर फैसला छोड़ने की परंपरा रही है। यही कांग्रेस की ताकत रही है। मैं कई पदों पर रह चुका हूं, अब नई पीढ़ी को चांस मिलना चाहिए। दूसरी ओर गहलोत के इस बयान के बाद विधायक दल की बैठक से पहले मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर ना सिर्फ गहलोत समर्थक मंत्री विधायकों की बैठक बुलाई गई बल्कि गहलोत समर्थक निर्दलीय संयम लोढ़ा की ओर से उनकी बात नहीं सुनी जाने पर सरकार गिरने तक की धमकियां दी गई।

इस बीच विधायक दल की बैठक से पहले राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन और राजस्थान के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए वरिष्ठ नेता मलिकर्जुन खड़गे जयपुर पहुंच गए। बताया जाता है कि दोनों नेता पार्टी आलाकमान का संदेश विधायक दल की बैठक में सबके सामने रखेंगे। उसके बाद में विधायक दल के नए नेता के चुनाव के लिए एक लाइन का प्रस्ताव आलाकमान के नाम पारित करके दे दिया जाएगा।

इधर धारीवाल के निवास पर हो रही बैठक को लेकर चर्चा है कि एक ओर तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आलाकमान के विश्वस्त होने का हवाला देते हुए तथा वफादारी दिखाते हुए बयान दे रहे हैं। दूसरी ओर उनके नजदीकी विधायक और मंत्री आलाकमान को आंखें दिखाने की बात कर रहे हैं। हालांकि पहले की बनी स्थितियों के विपरीत इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ रहे 102 विधायकों में से कई विधायकों ने उनका साथ छोड़ दिया है। जिनमें प्रमुख रूप से राजेंद्र गुढ़ा, खिलाड़ी लाल बैरवा, गिर्राज सिंह मलिंगा, वीरेंद्र सिंह सहित अन्य विधायक शामिल है। ऐसे में बात की जाए तो बहुमत का आंकड़ा मुख्यमंत्री खेमे के पास भी नहीं बचा है। मीडिया में कुछ विधायकों के इस्तीफे की चर्चायें चल रही हैं, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी.जोशी की ओर से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है।

वही कहने को तो संयम लोढ़ा की ओर से कहा है कि उनकी बात नहीं सुनी जाने पर सरकार गिर सकती है। वही मंत्री गोविंद मेघवाल ने भी उनकी बात का समर्थन किया है, लेकिन क्या विधायक सरकार गिराकर सवा साल से पहले ही चुनाव में जाने को तैयार हैं। यह बात महत्वपूर्ण होगी या फिर यह विधायक सिर्फ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास अपने नंबर बढवाने या आलाकमान पर दबाव बनाने के लिए ही बयानबाजी कर रहे हैं।

दरअसल मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर हो रही बैठक के बाहर बयान तो 102 विधायकों को लेकर दिए जा रहे हैं, लेकिन असल में धारीवाल के निवास पर आने वाले विधायकों की संख्या 50 के आसपास ही है। वहीं कुछ विधायक सीधे मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक के लिए पहुंच गए हैं। हालांकि दबाव बनाने के लिए हो रही इस बैठक के चलते विधायक दल की बैठक में देरी हो रही है।

इस बीच विधायक दल की बैठक से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ऐसी बैठकों में एक लाइन का रिजोल्यूशन पास करते हैं कि जो हाईकमान तय करेगा, वही हमें मंजूर होगा। इधर पड़ोसी मंत्री राजेंद्र गुढ़ा शांति धारीवाल के बंगले के गेट से वापस लौट गए। उन्होंने कहा कि यहां 101 विधायक नहीं हैं। गुढ़ा ने कहा कि बहुमत के लिए 101 विधायक चाहिए, इसके बिना सरकार अल्पमत में होती है। यहां बैठक में 101 विधायक नहीं हैं, इसलिए मैं नहीं गया। विधायक वाजिब अली, खिलाड़ी लाल बैरवा और गिर्राज सिंह मलिंगा भी गुढ़ा के साथ हैं और बैठक में नहीं गए। वही 25 से 30 विधायक सीधे मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक में पहुंच गए।

इस मुताबिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)